मण्डफिया में विराज रियो सांवलिया सेठ भजन

म्हारो छैल तो छौगालो मारो श्याम,
मण्डफिया में विराज रियो,
माने प्यारो लागे चारभुजा रो नाथ,
मंडफिया में विराज रियो।bd।

मोर मुकुट पीतांबर सोवे,
कुंडल की छवि न्यारी,
पीलो पीतांबर बादामि,
या बागा री हद भारी,
तुर्रा झिलमिल झिलमिल,
चमके मारो श्याम,
मंडफिया में विराज रियो।bd।

कड़ा नेवरी कमर कंदोरो,
पग पायल झांझरिया रे,
ढाल धड़कती हीय कड़कती,
सोवत है सांवरिया रे,
छड़ी चवर सर पर,
छतर बिराजे श्याम,
मंडफिया में विराज रियो।bd।

सेज पालकी राम रेवाड़ी,
चांदी को वो यो रथडो रे,
ग्यारस जुले सेठ सांवरो,
दुनिया दर्शन आवे रे,
थाली मांदल बाजे,
थारोड़े दरबार,
मंडफिया में विराज रियो।bd।

सेठ सांवरा कलयुग माही,
देदो थोड़ो जेलो रे,
केवे भैरव सुन सांवरिया,
सुन जो मारो हेलो रे,
भोला भक्तों को तू,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राम रूकालो श्याम,
मंडफिया में विराज रियो।bd।

म्हारो छैल तो छौगालो मारो श्याम,
मण्डफिया में विराज रियो,
माने प्यारो लागे चारभुजा रो नाथ,
मंडफिया में विराज रियो।bd।

लेखक – भैरव शंकर जी महाराज।
गायक – दिनेश अमरवासी।
9829167293

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com